



प्रेषक,

ओपीओतिवारी,
उप सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

अधिष्ठाता,
प्रौद्योगिकी महाविद्यालय,
पंतनगर।

प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा अनुभाग

देहरादून: दिनांक ०७ दिसम्बर, 2011

विषय:- वित्तीय वर्ष 2011-12 में आयोजनागत एवं आयोजनेत्तर पक्ष के अन्तर्गत धनराशि स्वीकृत किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके संख्या-सीटी0ई0/बी0-5/आयोजनागत/2011/510, दिनांक 26.09.2011, पत्र संख्या-सीटी0ई0/बी-5(आयोजनेत्तर मद)/11-12/516, दिनांक 28.09.2011 एवं पत्र संख्या-सीटी0ई0/बी-5(आयोजनेत्तर मद)/11-12/526, दिनांक 07.10.2011 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2011-12 में प्रौद्योगिकी महाविद्यालय पंतनगर के शिक्षकों को छठे वेतन आयोग द्वारा संस्तुत यू0जी0सी0 वेतन मानों के अनुसार दिनांक 01.01.2006 से 31.03.2009 तक के वेतन बकाया भुगतान, महाविद्यालय में स्वीकृत स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रमों के ए0आई0सी0टी0ई0 द्वारा प्रत्यायन शुल्क हेतु निम्न विवरणानुसार कुल धनराशि ₹260.83 लाख (रूपये दो करोड़ साठ लाख तेरासी हजार मात्र) की स्वीकृति प्रदान करते हुए व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

(धनराशि लाख रुपये में)

मानक मद	स्वीकृत धनराशि	
	आयोजनागत	आयोजनेत्तर
20-सहायक अनुदान/अंशदान/ राज सहायता	20.50	—
43-वेतन भत्ते आदि के लिये सहायक अनुदान	—	240.33
योग-	20.50	240.33

(कुल रुपये दो करोड़ साठ लाख तेरासी हजार मात्र)

2- उक्त स्वीकृति इस शर्त के साथ प्रदान की जा रही है कि स्वीकृत धनराशि का व्यय कालेज की वित्त समिति के अनुमोदन के उपरान्त किया जायेगा तथा इस धनराशि का पुनर्विनियोग किसी दशा में बिना शासन की अनुमति के नहीं किया जायेगा। एरियर के भुगतान हेतु स्वीकृत की जा रही धनराशि को सम्बन्धित कार्मिक के जी0पी0एफ0 खाते में डाला जायेगा तथा अग्रेत्तर तीन वर्षों तक उक्त का नकद आहरण नहीं किया जा सकेगा।

3- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, तो उनमें व्यय करने के पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

4- व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। अतः व्यय करते समय मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जायेगा। धनराशि का आहरण/व्यय मासिक फेजिंग के आधार पर किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

5- शिक्षकों के बकाया वेतन के भुगतान हेतु स्वीकृत की जा रही धनराशि का समायोजन भारत सरकार से प्राप्त होने वाली धनराशि से किया जायेगा।

6- स्वीकृत अनुदान के सापेक्ष मदवार व्यय विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत किया जाय।

7- उक्त स्वीकृत धनराशि के व्यय के सम्बन्ध में शासनादेश संख्या-209/XXVII(1)/2011, दिनांक 31.03.2011 एवं संख्या-584/XXVII(1)/2011, दिनांक 07.10.2011 में दिये गये दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

8- संस्था का अनुदानित धनराशि का भुगतान जिलाधिकारी उधमसिंहनगर द्वारा बिल प्रतिहस्ताक्षरित किये जाने के उपरान्त कोषाधिकारी उधमसिंहनगर द्वारा सीधे आपको कर दिया जायेगा। संबंधित कोषागार बीजक एवं दिनांक की सूचना निदेशक, प्राविधिक शिक्षा, उत्तराखण्ड तथा शासन को तत्काल भेजी जाय।

9- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 के अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2203-तकनीकी शिक्षा-00-112-इंजीनियरी/तकनीकी कालेज तथा संस्थान-00-आयोजनेत्तर एवं आयोजनागत-03-पंत कालेज ऑफ टेक्नोलॉजी, पंतनगर को सहायक अनुदान के अन्तर्गत प्रस्तर-1 में इंगित सुसंगत मानक मदों के नामें डाला जायेगा।

10- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-282(P)/XXVII(3)/2011-12, दिनांक 30.11.2011 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(ऑफिसीतिवारी)

उप सचिव।

संख्या व दिनांक उपरोक्त।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून।
2. जिलाधिकारी, उधमसिंहनगर।
3. वरिष्ठ कोषाधिकारी, उधमसिंहनगर।
4. निदेशक, पेशन एवं कोषागार, उत्तराखण्ड देहरादून।
5. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
6. वित्त अनुभाग-3/नियोजन अनुभाग।
7. एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(सुनील सिंह)

अनु सचिव।